जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 74
दिनांक 02.05.2022

जर्मन सरकार के प्रोस्वाईल प्रोजेक्ट से प्राकृतिक खेती को मिलेगी नई दिशा

जनेकृविवि के कृषि विज्ञान केन्द्रों में डिजीटल एग्रीकल्चर एवं प्राकृतिक खेती पर भविष्य में होगा प्रचार–प्रसार

जबलपुर 02 मई। जवाहलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में जर्मन सरकार वित्त पोषित जी. आई. जेड. नई दिल्ली के अधिकारियों के दल का आगमन हुआ। दल के सदस्यों ने विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन से मुलाकात की, साथ ही वर्तमान में चल रहे जर्मन सरकार की वित्त पोषित परियोजना ''प्रोस्वाईल'' को और बेहतर बनाने पर गहन मंथन हुआ। जी. आई. जेड. परियोजना के नोडल अधिकारी डॉ. अनय रावत ने बताया कि वर्तमान में जी. आई. जेड. के अन्तर्गत नाईस कृषि ऐप का संचालन दो जिलों मण्डला एवं बालाघाट में किया जा रहा है। इस ऐप का उपयोग ''मैनेज'' हैदराबाद के सहयोग से किसानों को कृषि तकनीकी हस्तान्तरण में किया जा रहा है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिसेन के साथ आयोजित बैठक में नई परियोजनाओं के क्रियान्वयन एवं आपसी सहयाग पर गहन चर्चा की गई। प्रथम चरण के आशातीत परिणाम मिलने से यह डिजीटल सेवा विश्वविद्यालय द्वारा पूर्ण रूप से अंगीकृत किया जा रहा है। इसके लिये आवश्यक उपकरण एवं संसाधन जर्मन सरकार के सहयोग से विश्वविद्यालय को आगामी दिनों में प्रदान किये जायेंगे। भ्रमण दल में नई दिल्ली से परियोजना प्रमुख राजीव कुमार, प्रदेश प्रभारी अविनाश आलोक, तकनीकी प्रभारी नवीन होरो, हिमांशु एवं डॉ इन्द्रनील ने परियोजना ईकाई स्थापना हेतु संचालक विस्तार सेवाओं के साथ भ्रमण किया। संचालक विस्तार सेवायें डॉ दिनकर शर्मा ने डिजीटल ऐप को कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से कृषकों तक पहुंचाने हेतु विस्तृत कार्ययोजना की स्वीकृति प्रदान की। प्राकृतिक खेती हेतु नये अनुसंधान एवं विस्तार कार्यक्रम की शुरूआत के करने के लिये योजना को अंतिम रूप दिया गया। जिससे आने वाले समय में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा सक, साथ ही उत्पादन बढ़ाया जा सके। भ्रमण के दौरान संचालन विस्तार सेवाओं के तकनीकी अधिकारी डॉ प्रमोद गुप्ता एवं तकनीकी सहायक डॉ. नकुल राव रंगारे का सक्रिय सहयोग रहा।

—000—